

9.5.22

~~पनाकनी चे २१। वही लवादी का गुपीत बह है~~
~~समय ५.१० pm से रहा है, का वाज लगवा है~~
~~अई, इलगाए चिन्ता, पुनः का वाज लगवा है~~
~~वा-का का का वाज लगवा है पर भी न भी वादी~~
~~सम न ही उनके कल्पित वाज उपः है~~

